ICSSR Sponsored
ISSN: 2319-9997

Journal of Nehru Gram Bharati University, 2025; Vol. 14 (I):110-117

"माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता का तुलनात्मक अध्ययन"

अखिलेश कुमार मौर्य एवं प्रमोद कुमार मिश्र

शिक्षक-शिक्षा विभाग

नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय), प्रयागराज

Email: mauryaakhilesh007@gmail.com

Received: 30.11.2024 *Revised:12.04.2025* *Accepted: 28.04.2025*

सारांश

शोधार्थी द्वारा "माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता का तुलनात्मक अध्ययन" किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी ने अध्ययन के उद्देश्य और साधनों की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुए अनुसंधान के वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है। प्रस्तुत शोध कार्य में शोध के उद्देश्यों के आधार पर उन माध्यमिक विद्यालयों को चुनने का प्रयास किया गया है, जिनमें महिला अध्यापिकाएँ हों। प्रस्तुत शोध कार्य के लिए प्रयागराज जनपद में स्थित स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत 450 शिक्षिकाओं का चयन वर्गबद्ध न्यादर्श विधि द्वार किया गया है। इन 450 शिक्षिकाओं में से 225 शिक्षिकाएँ स्ववित्तपोषित सहशिक्षा माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत है तथा 225 शिक्षिकाएँ स्ववित्तपोषित महिला माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत है। प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी ने महिला शिक्षकों के शिक्षण अभिक्षमता के मापन के लिए प्रो0 बी0के0 पासी तथा एम0 ललिता द्वारा निर्मित सामान्य-शिक्षण अभिक्षमता मापनी का प्रयोग किया गया। शोधार्थी द्वारा अपने शोध अध्ययन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिये मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं टी-अनुपात सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया है। अध्ययनोपरान्त निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये -माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता में अन्तर है अर्थात् महिला शिक्षा संस्थानों की महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता सहशिक्षा संस्थानों की महिला अध्यापिकाओं की तुलना में शिक्षण में अधिक निपुण है।

मुख्य शब्द *-माध्यमिक स्तर, स्ववित्तपोषित सहशिक्षा, महिला शिक्षा संस्थान, महिला अध्यापिका, शिक्षण अभिक्षमता, तुलना*

प्रस्तावना-

शिक्षण सतत् चलने वाली एक प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य पारस्परिक अन्तःक्रिया होती है। शिक्षण के माध्यम से शिक्षार्थियों अथवा प्रशिक्षुओं को अधिक से अधिक सीखने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। अभिक्षमता से अभिप्राय है किसी विशेष विषय या क्षेत्र में ज्ञान एवं उसमें अभिरुचि रखने के साथ-साथ कुशलता आदि

विकसित करने की योग्यता से है। अर्थात् किसी विषय या कार्य या क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त करने, सीखने या दक्षता प्राप्त करने की अन्तःशक्ति ही अभिक्षमता कहलाती है।

शिक्षण अभिक्षमता से तात्पर्य शिक्षण की कुशलता, शिक्षण सिद्धान्तों की समझ तथा शिक्षण विधियों के सार्थक प्रयोग में अभिरुचि से है अर्थात् जब एक शिक्षक का शिक्षण प्रभावी एवं दक्षतापूर्ण हो, उसे शिक्षण से सम्बन्धित विभिन्न सिद्धान्तों की समझ हो तथा विभिन्न शिक्षण विधियों के ज्ञान के साथ-साथ उन विधियों की सही समझ एवं सार्थक प्रयोग में अभिरुचि रखता हो तब हम उसे शिक्षण अभिक्षमता से युक्त कहेंगे।

शिक्षण अभिक्षमता को विभिन्न विद्वानों ने निम्नलिखित प्रकार से परिभाषित किया है-

एन0एल0 गेज (1968) ने शिक्षण के क्षेत्र में अधिक कार्य किया है, उनके अनुसार शिक्षण अभिक्षमता की परिभाषा इस प्रकार है -''शिक्षण अभिक्षमता वह विशिष्ट अनुदेशन प्रक्रिया है जिसे अध्यापक अपनी कक्षा-शिक्षण में प्रयोग करता है। यह शिक्षण-क्रम की विभिन्न क्रियाओं से सम्बन्धित होता है जिन्हें शिक्षक अपने कक्षा अन्तःक्रिया में लगातार उपयोग करता है।''

भारतीय शिक्षाशास्त्री बी0के0 पासी (1976) के ने भी शिक्षण अभिक्षमता की परिभाषा दी है, वह इस प्रकार है -''शिक्षण अभिक्षमता सम्बन्धित शिक्षण -क्रियाओं अथवा उन व्यवहारों के सम्पादन से है जो छात्रों के सीखने के लिये सुगमता प्रदान करने के इरादे से किये जाते हैं।'' ब्रिटेन के स्टर्लिंग विश्वविद्यालय के मैकईनटेयर तथा व्हाइट (1965) ने शिक्षण अभिक्षमता की परिभाषा इस प्रकार दी है -''शिक्षण अभिक्षमता, शिक्षण व्यवहारों से सम्बन्धित वह स्वरूप होता है जो कक्षा की अन्तःप्रक्रिया है और छात्रों को सीखने में सुगमता प्रदान करते हैं।''

समस्या कथन-

''माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता का तुलनात्मक अध्ययन''।

अध्ययन का उद्देश्य-

अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है-

1. माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता की तुलना करना।

परिकल्पनाएँ-

उपरोक्त शोध उद्देश्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु निम्न परिकल्पना का निर्माण एवं परीक्षण किया जा रहा है-

1. माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

प्रस्तुत अध्ययन की शोध विधि-

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी ने अध्ययन के उद्देश्य और साधनों की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुए अनुसंधान के वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

प्रस्तुत अध्ययन की जनसंख्या-

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयागराज जनपद के सभी स्ववित्तपोषित सह शिक्षा माध्यमिक विद्यालयों एवं स्ववित्तपोषित महिला शिक्षा माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षिकाओं को शोध अध्ययन की जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन का न्यादर्श-

प्रस्तुत शोध कार्य में शोध के उद्देश्यों के आधार पर उन माध्यमिक विद्यालयों को चुनने का प्रयास किया गया है, जिनमें महिला अध्यापिकाएँ हों। प्रस्तुत शोध कार्य के लिए प्रयागराज जनपद में स्थित स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत 450 शिक्षिकाओं का चयन वर्गबद्ध न्यादर्श विधि द्वार किया गया है। इन 450 शिक्षिकाओं में से 225 शिक्षिकाएँ स्ववित्तपोषित सहशिक्षा माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत है तथा 225 शिक्षिकाएँ स्ववित्तपोषित महिला माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत है, जो निम्नवत् है-

महिला अध्यापिकाएँ) 450)

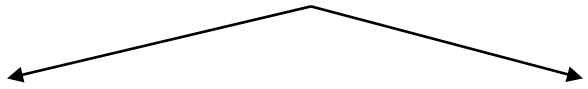

सहशिक्षा संस्थान) 225) स्ववित्तपोषित महिला शिक्षा संस्थान) 225)

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण-

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी ने महिला शिक्षकों के शिक्षण अभिक्षमता के मापन के लिए प्रो0 बी0के0 पासी तथा एम0 ललिता द्वारा निर्मित सामान्य-शिक्षण अभिक्षमता मापनी का प्रयोग किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त विभिन्न सांख्यिकीय विधियाँ-

शोधार्थी द्वारा अपने शोध अध्ययन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिये मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं टी-अनुपात सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या-

1. माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला

अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता का अध्ययन-

सारणी 1
माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता का अध्ययन

चर	संख्या	शिक्षण अभिक्षमता प्रासांक माध्यमान	मानक विचलन मान	+1σ प्रासांक मान	−1σ प्रासांक मान	+1σ प्रासांक से ऊपर की आवृत्तियाँ		−1σ प्रासांक के नीचे की आवृत्तियाँ ki		−1σ तथा +1σ के मध्य आवृत्तियाँ	
						No.	%	No.	%	No.	%
शिक्षण अभिक्षमता	225	23.69	6.85	30.54	16.84	47	20.88	40	17.77	138	61.33

अर्थापन -सारणी संख्या 1 में माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा संस्थानों में कार्यरत अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता से सम्बन्धित आँकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण से प्राप्त आँकड़ों को मध्यमान, मानक विचलन, +1σ, -1σप्राप्तांकों, +1σ प्राप्तांक से उच्च प्राप्तांकों की आवृत्तियाँ, -1σ प्राप्तांक से से निम्न प्राप्तांकों की आवृत्तियाँ तथा +1σ एवं- 1σ के मध्य प्राप्तांकों की आवृत्तियों के रूप में प्रदर्शित किया गया है। शिक्षण अभिक्षमता मापन पर+ 1σ प्राप्तांक से ऊपर प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं को अपने शिक्षण में उच्च अभिक्षमता, -1σ प्राप्तांक से कम प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं को निम्न अभिक्षमता तथा+ 1σ तथा- 1σ के मध्य प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं को औसत या सामान्य अभिक्षमता समूह में स्थान दिया गया। सारणी से स्पष्ट हैं कि माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता प्राप्तांक का मध्यमान 23.69 मानक विचलन 6.85, +1σ प्राप्तांक 30.54 तथा- 1σ प्राप्तांक 16.84 है। उच्च अभिक्षमता अर्थात +1σ से उच्च प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं की संख्या 47 है जो सम्पूर्ण अध्यापिकाओं का 20.88 प्रतिशत है। सामान्य शिक्षण अभिक्षमता अर्थात +1σतथा- 1σ के मध्य शिक्षण अभिक्षमता प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं की संख्या 138 है जो कुल अध्यापिकाओं का 61.33 प्रतिशत है। निम्न शिक्षण अभिक्षमता अर्थात- 1σसे कम शिक्षण अभिक्षमता प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं की संख्या 40 है जो कुल अध्यापिकाओं का 17.77 प्रतिशत है।

परिणामतः कह सकते हैं कि माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा संस्थानो में सामान्य या औसत शिक्षण अभिक्षमता वाली महिला अध्यापिकाओं की संख्या 138 है जो कुल महिला अध्यापिकाओं का 61.33 प्रतिशत से अधिक पायी गयी।

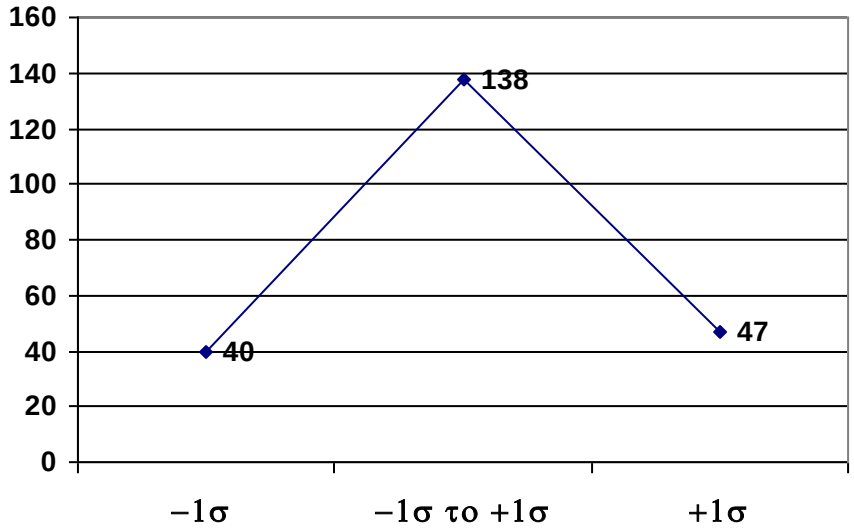

ग्राफ संख्या-1 माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा संस्थानों में विभिन्न शिक्षण अभिक्षमता वाली कार्यरत महिला अध्यापिका

2. माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता का अध्ययन-

सारणी 2

माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता का अध्ययन

चर	संख्या	शिक्षण अभिक्षमता प्राप्तांक माध्यमान	मानक विचलन मान	+1σ प्राप्तांक मान	−1σ प्राप्तांक मान	+1σ प्राप्तांक से ऊपर की आवृत्तियाँ		−1σ प्राप्तांक के नीचे की आवृत्तियाँ ki		−1σ तथा +1σ के मध्य आवृत्तियाँ	
						No.	%	No.	%	No.	%
शिक्षण अभिक्षमता	225	25.92	8.00	33.92	17.92	53	23.55	38	16.88	134	59.55

अर्थापन -सारणी संख्या 2 में माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता से सम्बन्धित आँकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण से प्राप्त आँकड़ों को मध्यमान, मानक विचलन, +1, -1σप्राप्तांकों, +1σ प्राप्तांक से उच्च प्राप्तांकों की आवृत्तियाँ, -1σ प्राप्तांक से से निम्न प्राप्तांकों की आवृत्तियाँ तथा +1σ एवं- 1σ के मध्य प्राप्तांकों की आवृत्तियों के रूप में प्रदर्शित किया गया है। शिक्षण अभिक्षमता मापन पर+ 1σ प्राप्तांक से ऊपर प्राप्तांक वाली

अध्यापिकाओं को अपने शिक्षण में उच्च अभिक्षमता, -1σ प्राप्तांक से कम प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं को निम्न अभिक्षमता तथा $+1\sigma$ तथा- 1σ के मध्य प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं को औसत या सामान्य अभिक्षमता समूह में स्थान दिया गया। सारणी से स्पष्ट हैं कि माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता प्राप्तांक का मध्यमान 25.92 मानक विचलन 8.00, $+1\sigma$ प्राप्तांक 33.12 तथा- 1σ प्राप्तांक 17.92 है। उच्च अभिक्षमता अर्थात $+1\sigma$ से उच्च प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं की संख्या 53 है जो सम्पूर्ण अध्यापिकाओं का 23.55 प्रतिशत है। सामान्य शिक्षण अभिक्षमता अर्थात $+1\sigma$ तथा- 1σ के मध्य शिक्षण अभिक्षमता प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं की संख्या 137 है जो कुल अध्यापिकाओं का 59.55 प्रतिशत है। निम्न शिक्षण अभिक्षमता अर्थात- 1σ से कम शिक्षण अभिक्षमता प्राप्तांक वाली अध्यापिकाओं की संख्या 38 है जो कुल अध्यापिकाओं का 16.88 प्रतिशत है। परिणामतः कह सकते हैं कि माध्यमिक स्तर पर महिला शिक्षा संस्थानो में सामान्य या औसत शिक्षण अभिक्षमता वाली महिला अध्यापिकाओं की संख्या 137 है जो कुल महिला अध्यापिकाओं का 59.55 प्रतिशत से अधिक पायी गयी।

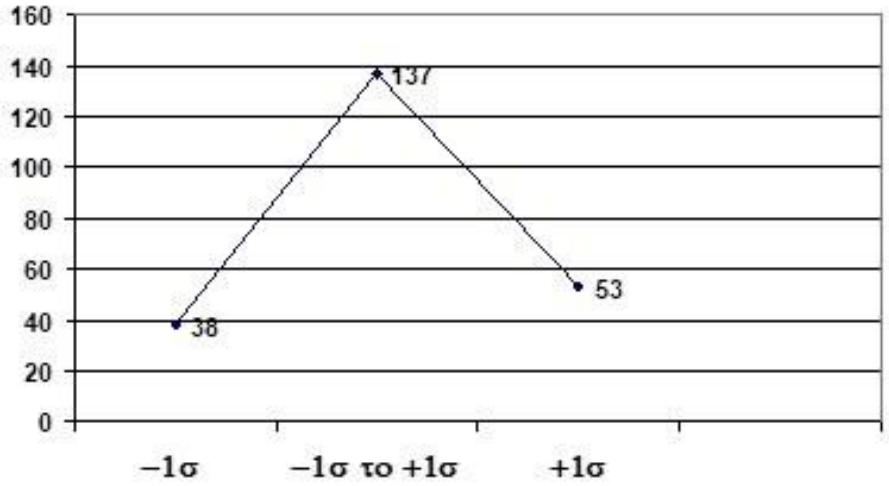

ग्राफ संख्या-2 माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित महिला शिक्षा संस्थानों में विभिन्न शिक्षण अभिक्षमता वाली कार्यरत महिला अध्यापिका

3. माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता की तुलना

H_{03} माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

सारणी 3
माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता की तुलना

क्रम सं0	समूह का नाम	संख्या ¼N½	मध्यमान प्राप्तांक शिक्षण अभिक्षमता	मानक विचलन मान	क्रान्तिक अनुपात मान ¼t½	सार्थकता स्तर
1	सहशिक्षा संस्थान	225	23-69	6-85	3-173	**
2-	महिला शिक्षा संस्थान	225	25-92	8-00		
N.S. & 0-05 सार्थक है।						

अर्थापन -सारणी संख्या 3 में माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता की तुलना क्रान्तिक अनुपात मान) टी-मूल्य (के रूप में की गयी है प्राप्त टी-मान 3.173 है जो सार्थकता के 0.05 स्तर पर सार्थक है क्योंकि टी-सारणी के अनुसार 0.05 स्तर पर न्यूनतम सार्थक टी-मान 448 स्वतन्त्रांश के दिये मान 2.58 से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर है। प्रथम समूह के शिक्षण अभिक्षमता प्राप्तांक मध्यमान द्वितीय समूह के शिक्षण अभिक्षमता प्राप्तांक मध्यमान से कम है। परिणामतः कहा जा सकता है कि महिला शिक्षा संस्थानों की महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता सहशिक्षा संस्थानों की महिला अध्यापिकाओं की तुलना में शिक्षण में अधिक निपुण पाया गया।

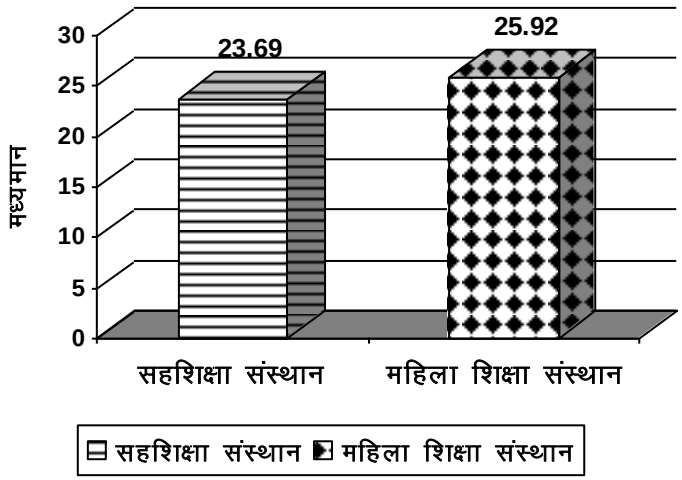

ग्राफ सं0 3: माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा संस्थानों तथा महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता का मध्यमान

निष्कर्ष-

अध्ययनोपरान्त निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये-

- माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा संस्थानो में सामान्य या औसत शिक्षण अभिक्षमता वाली महिला अध्यापिकाओं की संख्या 61.33 प्रतिशत है।
- माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित महिला शिक्षा संस्थानों में औसत शिक्षण अभिक्षमता वाली कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की संख्या 59.55 प्रतिशत है।
- माध्यमिक स्तर पर स्ववित्तपोषित सहशिक्षा एवं महिला शिक्षा संस्थानों में कार्यरत महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता में अन्तर है अर्थात् महिला शिक्षा संस्थानों की महिला अध्यापिकाओं की शिक्षण अभिक्षमता सहशिक्षा संस्थानों की महिला अध्यापिकाओं की तुलना में शिक्षण में अधिक निपुण है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- अग्रवाल, विकास (2012) योग क्रियाओं का छात्र अध्यापकों के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षण अभिक्षमता तथा स्मृति पर प्रभाव का एक अध्ययन, अप्रकाशित पीएच0डी0 शोध प्रबन्ध, चै0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
- एम., शोभा (2022). ए स्टडी आन टीचिंग इफेक्टिंवनेस एण्ड टीचिंग कम्पीटेन्सी एमंग सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स, जर्नल आफ इमर्जिंग टेक्नोलाजिस एण्ड इनोवेटिव रिसर्च.
- गर्ग डी0पी0, "टीचिंग एटीट्यूड एण्ड टीचिंग बिहेवियर ऑफ़ हाईली सेटिसफाइड एण्ड डिससेटिसफाइड टीचर्स ऑफ़ सैकेण्डरी लेवल, पी-एच0डी0 एजुकेशन, रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी (1983)
- नटराजन, आर0, "स्कूल ओर्गनाइजेशनल क्लाइमेट एण्ड इट्स रिलेशन टू जॉब सेटिसफैक्शन ऑफ़ टीचर्स एण्ड द अचीवमेन्ट्स ऑफ़ प्युपिल्स", एम0फिल0 एजुकेशन, अन्नामलाई यूनिवर्सिटी (1992)
- यादव, विजय (2022). माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण एवं अध्यापनरत् महिला-पुरुष शिक्षकों के शिक्षण प्रभावशीलता का विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, शोध-प्रबन्ध (शिक्षाशास्त्र). वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
- सिन्हा डी0 एण्ड अग्रवाल यू0एन0, "जॉब सेटिसफैक्शन एण्ड जनरल एँडजस्टमेन्ट ऑफ़ इण्डियन जनरल ऑफ़ इंडस्ट्रीयल रिलेशन्स (1961), पेज 356-367
- श्रीवास्तव, शोभा, "ए स्टडी ऑफ़ जॉब सेटिसफैक्शन एण्ड प्रोफेशनल ओनेस्टी आफ प्राइमरी स्कूल टीचर्स विद नैसेसरी सजेशन्स", पी-एच0डी0 एजुकेशन, अवध यूनिवर्सिटी
- हरेन्द्र सिंह (2019) प्राथमिक स्तर पर अस्थायी तथा स्थायी शिक्षकों की शिक्षण अभिक्षमता का तुलनात्मक अध्ययन, अनुसंधान अन्वेषिका, खण्ड-9, पृष्ठ 85-90

Disclaimer/Publisher's Note:
The statements, opinions and data contained in all publications are solely those of the individual author(s) and contributor(s) and not of JNGBU and/or the editor(s). JNGBU and/or the editor(s) disclaim responsibility for any injury to people or property resulting from any ideas, methods, instructions or products referred to in the content.